



दिल्ली में छठे दिन सबसे ज्यादा 51 उम्मीदवारों के नामांकन

- वहीं, आप के चार कागेस के दो उम्मीदवार नामांकन कर चुके हैं।

देश रोजाना ब्लूरे, दिल्ली

नामांकन के छठे दिन सबसे ज्यादा 51 प्रत्याशियों ने नामांकन किया। सातों लोकसभा सीटों से भाजपा के सभी प्रत्याशी नामांकन कर चुके हैं। वहीं, आप के चार व कागेस के दो उम्मीदवार नामांकन कर चुके हैं। अब सिर्फ उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट से कहाँवा कुमार का नामांकन शेष है। रविवार को सापाहिक अवकाश है और सोमवार को नामांकन की अंतिम तिथि है।

मंगलवार को नामांकन पत्रों की जांच होगी। दिल्ली के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) कार्यालय के अनुसार कई



उम्मीदवारों ने एक सेट से ज्यादा नामांकन पत्र दाखिल किए हैं। इसके अलावा उम्मीदवारों ने भी नामांकन किया है। 51 प्रत्याशियों ने 71 पर्चे दाखिल

किए। अब तक कुल 141 उम्मीदवारों ने 186 नामांकन पत्र भरे हैं। बसपा उम्मीदवारों ने उत्तर पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली, चांदी चौक, दक्षिणी दिल्ली व पूर्वी

दिल्ली से नामांकन किया है। पश्चिमी दिल्ली लोकसभा सीट से गठबंधन प्रत्याशी महाबल मिश्र ने शनिवार को नामांकन दाखिल किया। इससे पहले उन्होंने मार्डर में

श्रीमान का आशीर्वाद लेकर रोड शो किया। इस दौरान राजसभा संसद संजय सिंह और कैबिनेट मंत्री कैलाश गहलोत संभव विधायक व सैकड़ों कार्यकर्ता भौमूल रहे। दोल-नगांड़े के साथ निकले नामांकन कर्ताओं ने तिरंगा व पार्टी के झंडे के साथ के जैविक उम्मीदवारों के चुनाव की तरह दिखाइ दे रहा है। लोगों में इस वार गठबंधन को जितने का ज्यादा है। भाजपा ने छह सांसदों के टिकट काटकर खुद ही हार मान ली है, बसपा की उम्मीदवारों ने छह सांसदों के चुनाव की तरह दिखाइ दे रहा है। लोगों में संजय सिंह ने दरभागा में राष्ट्रीय जनता लत के सुप्रीमो लालू जूलूस में बाला बोला था। उन्होंने सोशल मीडिया पर 10 व्हाइट लिखकर मोदी सरकार को घेरने की कोशिश की। लालू प्रसाद ने लिखा कि यह चुनाव मरने की नहीं अभी तो चुनाव को लड़ाई का चुनाव है। राजद, पीएम और सीएम सभी अपने पार्टी के लिए वोट मार रहे हैं। बोट मांगना सर्विधान खतरे में डालना होता है क्या? विषय के लिए जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे।

लोकसभा चुनाव को लेकर पक्ष और विषय के बीच आरोप-प्रत्यारोप की सियासत जारी है। शनिवार को पीएम ने दो मोदी ने दरभागा में राष्ट्रीय जनता लत के सुप्रीमो लालू जूलूस में बाला बोला था। उन्होंने सोशल मीडिया पर 10 व्हाइट लिखकर मोदी सरकार को घेरने की कोशिश की। लालू प्रसाद ने लिखा कि यह चुनाव मरने की नहीं अभी तो चुनाव को लड़ाई का चुनाव है। राजद, पीएम और सीएम सभी अपने पार्टी के लिए वोट मार रहे हैं। बोट मांगना सर्विधान खतरे में डालना होता है क्या? विषय के लिए जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे।

चुनाव जिंदा रहने की लड़ाई है: लालू यादव

- उम्मीदवारों की 140 करोड़ जनता गंभीरता से काफी बीजें सोच रही है।

एजेंसी, पटना



विजय चौधरी ने जवाब दिया।

उन्होंने कहा कि सर्विधान कहां खतरे में है? कौन ऐसी बात हो रही है जो सर्विधान के अनुचरण नहीं है।

अभी तो चुनाव को लड़ाई का चुनाव है। राजद, पीएम और सीएम सभी अपने पार्टी के लिए वोट मार रहे हैं। बोट मांगना सर्विधान खतरे में डालना होता है क्या? विषय के लिए जनता को भ्रमित करने की कोशिश कर रहे।

चुनाव से पहले सीएम साय ने गिराई सरकार की उपलब्धियां

- 11 की 11 सीटें जीतने का किया दावा
- यह चुनाव अधियान अनेक मायनों में अनोखा रहा है



छत्तीसगढ़ में सीएम विष्णुदेव साय ने बीजेपी जिला कार्यालय एकात्म परिसर में प्रेसवार्ता लेकर कागेस पर निशाना साया और राज्य सरकार की उपलब्धियां गिराई।

दावा करते हुए कहा कि भाजपा 11 सीटें जीतकर विधानसभा चुनाव की तरह लोकसभा चुनाव में भी डिल्लीसाथ रहेंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनके लिए भी यह चुनाव अधियान अनेक मायनों में अनोखा रहा है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में जनता से सीधे जुड़ने का उपर्युक्त वर्ष अपनी उपलब्धियां गिराई।

सीएम ने कहा कि कहा कि प्रदेश में पीएम मोदी, भाजपा विधायक जगत प्रकाश नड़ी, गृह मंत्री

अपनी शाह समेत सभी राष्ट्रीय नेताओं की भी लगातार सभी राष्ट्रीय और रोड शो भी की। इसी तरह भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के सम्मेलन की वीट से भी बदलते हैं। बसपा उम्मीदवारों ने उत्तर पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली, चांदी चौक, दक्षिणी दिल्ली व पूर्वी

दुष्प्रचार, बदलुबानी की सारी सीमाएं लांघ दी।

विशेषकर अपने प्रदेश छत्तीसगढ़ में, जहां की तासीर के बारे में सारा देश जनता है, जो सम्भवता और संस्कृति के लिए देश-तुनिया में प्रसिद्ध तर्फ दिखाई देता है। वहां पांच कागेस ने जिस तरह का दूर, दुष्प्रचार और शालीनता की सीमा पार की, उसे किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

भाजपा के दृष्टि की आधारणा

छत्तीसगढ़ में बंद रहेंगी शराब दुकानें

- जनजाति के लोगों ने नृत्य कर दिखाया अपना उत्साह

एजेंसी, बलरामपुर

एजेंसी, रायपुर। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के तीसीरे चरण का मतदान मर्फ़त को होना है। चुनावी प्रचार के तीसीरे चरण का मतदान सात मर्फ़त को होना है। तीसीरे चरण के दुकानें भी बंद रहेंगी। इसके लिए आबकारी विधाया ने अदेश जरीया किया है। छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के तीसीरे चरण का मतदान सात मर्फ़त को होना है। तीसीरे चरण के दुकानें बंद होंगी। वह अदेश रायपुर प्रह्लादपुर सहित दुर्ग, बिलासपुर, जंगीर-चांगा, कोटर, रायगढ़, सरगुजा लोकसभा क्षेत्रों लागू के लिए रहा। अदेश रायपुर तीसीरे चरण के दुकानों में सारी देश जनता है, जो सम्भवता और संस्कृति के लिए देश-तुनिया में प्रसिद्ध तर्फ दिखाई देता है। वहां पांच कागेस ने जिस तरह का दूर, दुष्प्रचार और शालीनता की सीमा पार की, उसे किसी भी सभ्य समाज में स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

भाजपा के दृष्टि की आधारणा अपने प्रदेश के लिए लोकतांत्रिक अधिकारी के प्रति जागरूक करने के लिए एक अदेश मर्फ़त को होना है। तीसीरे चरण के दुकानों में शराब की दुकानें खुल जाएंगी। प्रदेश के 11 में से चार लोकसभा सीटों पर वो चरणों में मतदान हो चुका है। अब तीसीरे चरण का मतदान मर्फ़त को होना है।

इसी कड़ी में जिले में निवासित विधायिक दर्शकों के लिए एक अदेश मर्फ़त को होना है।

आजोन किया जा रहा है। इस अधियान में पिछड़ी जनजाति सम्बद्ध के लोगों का अद्वृत उत्साह देखने को मिल रहा है, ये लोग अपने पारंपरिक नृत्य एवं रंगों के माध्यम से मतदानों को अनुरूप घर-घर जाकर लोगों का चावल (अक्षर) एवं दूसरी तरफ स्वीप अंतर्गत मतदानों को उठके लोकतांत्रिक अधिकारी के प्रति जागरूक करने के लिए एक अदेश मर्फ़त को होना है।

इसी कड़ी में जिले में निवासित विधायिक दर्शकों के लिए एक अदेश मर्फ़त को होना है।

बाले चिन्हांकित बसाहटों में मतदान जागरूकता अधियान आयोजित किया जा रहा है। जिसके तहत पारंपरिक नृत्य एवं रंगों के माध्यम से मतदानों को अनुरूप घर-घर जाकर लोगों का चावल (अक्षर) एवं दूसरी तरफ स्वीप अंतर्गत मतदान करने के लिए प्रतिक्रिया जाएगी।

इसके पारंपरिक नृत्यों के लिए जिले में निवासित विधायिक दर्शकों को जागरूक करने के लिए एक अदेश मर्फ़त को होना है।

जिसके तहत विधायिक दर्शकों को जागरूक करने के लिए एक अदेश मर्फ़त को होना है।

जिसके तहत विधायिक दर्शकों को जागरूक करने के लिए एक अदेश मर्फ़त को होना है।

जिसके तहत विधायिक दर्शकों को जागरूक करने के लिए एक अदेश मर्फ़त को होना है।

जिसके तहत विधायिक दर्शकों को जागरूक करने के लिए एक अदेश मर्फ़त को होना है।

जिसके तहत विधायिक दर्शकों को जागरूक करने के लिए एक अदेश मर्फ़त को होना है।

जिसके तहत विधायिक दर्शकों को जागरूक करने के लिए एक अदेश मर्फ़त को होना है।

जिसके तहत विधायिक दर्शकों को जागरूक करने के लिए एक अदेश मर्फ़त को होना है।

जिसके तहत विधायिक दर्शकों को जागरूक करने के लिए एक अदेश मर्फ़त को होना ह

